15

Lecture - 133

भारत के सन्दर्भ में हरित क्रांति की व्याख्या

- Mamta Rani
Guest Assistant Professor
Deptt. of History.
SNSRKS College,
Saharsa.

BA Part - 3rd.
Paper - GS.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

भारत के संदर्भ में हरित क्रांति की व्याख्या कीजिए।

जब 3rd पंचवर्षीय योजना असफल हो गई क्यों कि उस योजना में 1962 में चीन के साथ युद्ध, 1965 में पाक के साथ युद्ध एवं 1965-66 में भंयकर आकाल एवं दूसरी ओर देश निरंतर होने वाली जनसंख्या की वृद्धि के कारण कृषि के क्षेत्र में बढ़ती खाद्यान आवश्यकता की पूर्ति के लिए हरित क्रांति की घोषणा की गई। यह हरित क्रांति 1966 के बाद आया। हरित क्रांति के द्वारा उन्नत खाद, उन्नत बीज, कीटनुनाशक दवाओं का प्रयोग, सिंचाई का उन्नत व्यवस्था, चकबंदी की समस्याओं को दूर करना, उन्नत तकनीक आदि को अपनाकर उत्पादकता में वृद्धि करने का प्रयास किया गया। निश्चित तौर पर इसका परिणाम अच्छा आया। गेहूँ सहित रबि फसल की उत्पादन में अच्छी वृद्धि हुई लेकिन इसके तुलना में अन्य फसलों पर खास खरिफ फसलों में कुछ विशेष बदलाव का परिणाम नही आया। धान उत्पादन में ज्यादा वृद्धि नही हो पाई। यही दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों में यह बेहद सफल रहा।

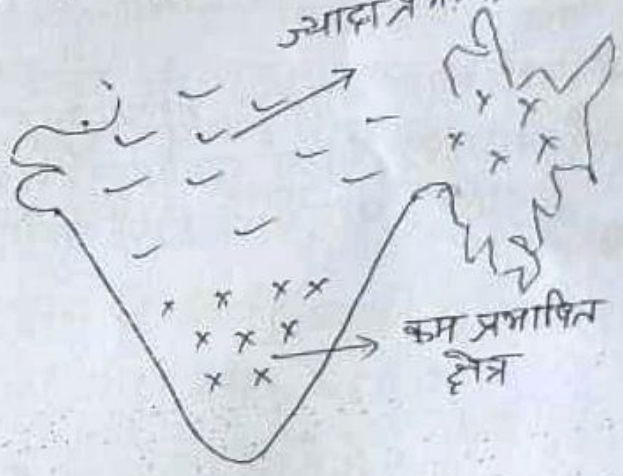

जैसे- बिहार, U.P, बंगाल, M.P, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश आदि। लेकिन इसके तुलना में पूर्वोत्तर भारत एवं दक्षिण भारत के राज्यों में इसका कोई विशेष परिणाम नही आया। इस लिए आवश्यकता यह महसूस की जाई की समुचे भारत में समान रूप से इसका परिणाम आए और सभी फसलों के उत्पादन पर बल दिया जाए इसी परिपेक्ष में भारत की सरकार ने यह घोषणा की है कि देश में 2nd हरितक्रांति लाया जाएगा। भूतपूर्व राष्ट्रपति स्व० डा० A. P. J. A. कलाम ने भी सुझाव दिया था कि भारत सरकार को चाहिए की देश में 2nd हरित क्रांति लाया जाए। अमेरिकी सरकार ने इसके लिए भारत को आर्थिक सहयोग करने की बात भी कही है। प्रस्तावित 2nd हरित क्रांति का नाम सदा हरित क्रांति (Ever green Revolution)

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

रहेगा और यह विशेषकर वर्षाधीन फसलों पर रहेगा।

अंतराष्ट्रीय स्तर पर हरितक्रांति के जनक अमे के कृषि वैज्ञान नार्मन E बॉरलाग् थे। इन्हे अंतराष्ट्रीय क्रा का भीष्मपितामह कहा जाता है यह एक मात्र कृषि वै है जिन्हे नोबेल शांति पुरस्कार मिला है। भारतीय सन्दर्भ मे हरित क्रांति के जनक डॉ० M. S. स्वामीनाथन थे।

:- आलोचना :-

हरित क्रांति के कारण उत्पादकता के लिए तरह-तरह के रासायनिक खादो, कीटाणुनासक दवाओ प्रयोग किया गया है जिसका प्रभाव वायुमंडल के साथ-साथ, पेड़-पौधे एवं अन्य जीव-जन्तुओ पर पड़ा है उसे तरह-2 बिमारियो का सामना करना पड़रहा है कीटाणुनाशक दवाओ के अधिक प्रयोग के कारण आदमी कैंसर का शिकार हो रहे है। आवश्यकता इस बात की है कि उत्पादकता तो बढ़ाया जाए गुणात्मकता को ध्यान मे रखकर। जैसे- सतत विकास को कर।

8. ग्लोबल वार्मिंग, हरित गृह प्रभाव (Green house effect), जलवायु परिवर्तन, पेरिस सम्मेलन 2016 (COP-21) (दिसम्बर), पृथ्वी सम्मेलन-199 क्योटो संधि-1997 (जापान), 2nd पृथ्वी सम्मेलन 2002-जोहान्सबर्ग, 3rd-रीयो कोपेनहेगन

का कार्य किया जा रहा है यहाँ तेल के साथ-साथ प्राकृतिक गैस का भी उत्पादन किया जा रहा है वर्तमान मे यह भारत का सबसे अधिक पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस उत्पादक क्षेत्र है

सम्भावित तेल क्षेत्र में बिहार के पूर्णिया, किशनगंज एवं रक्सौल दक्षिण भारत मे कावेरी नदी बेसिन और गोदावरी नदी बेसिन मे तेल क्षेत्र का पता चल चुका है। यहाँ भविष्य मे उत्पादन कार्य किए जायेंगे। इसके अलावे कुछ नवीनतम पेट्रोलियम उत्पादन केन्द्र भी है जैसे मंगला-1, यह राजस्थान के बारमेर जिला मे ब्रिटेन की ~~Cam~~ केयर्न energy Company के द्वारा यहाँ तेल क्षेत्र का पता लगाया गया एवं उत्पादन कार्य किया जा रहा है। इसके अलावे आन्ध्रप्रदेश मे गोदावरी नदी घाटी मे D-6 Block मे रिलायन्स energy के द्वारा पेट्रोलियम उत्पादक केन्द्र का पता चला और यहाँ भी पेट्रोलियम उत्पादन किया जा रहा है

भारत अपनी आवश्यकता का मात्र 30% तेल उत्पादन कर पाता है शेष 70% इसे विदेशो से आयात करना पड़ता है। और यह आयात मुख्यतयः मध्य पूर्व देशो के साथ करता है जिसमे सौदीअरब, इराक, इरान, कुवैत आदि देश है।

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz